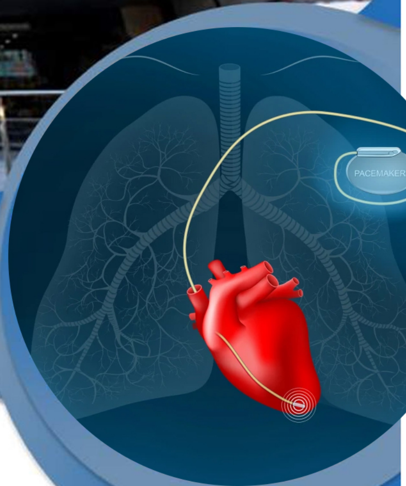

JOSHI HOSPITAL MULTI SUPER SPECIALITY & TRAUMA CENTER

Pacemaker

Dr. Mukesh Joshi & Dr. Varun Joshi (Ortho)
Dr. Harneet Riyait (Nephro)
Dr. Gaurav & Dr. Sameer (Cardio)
Dr. Ankush Bansal (Gastroenterlogy)
Dr. Priya Joshi (Neurology)

Kapurthala Chowk, Jalandhar
www.joshihospital.co.in
Call:+91-181-2621333 | -+91-94170-07288

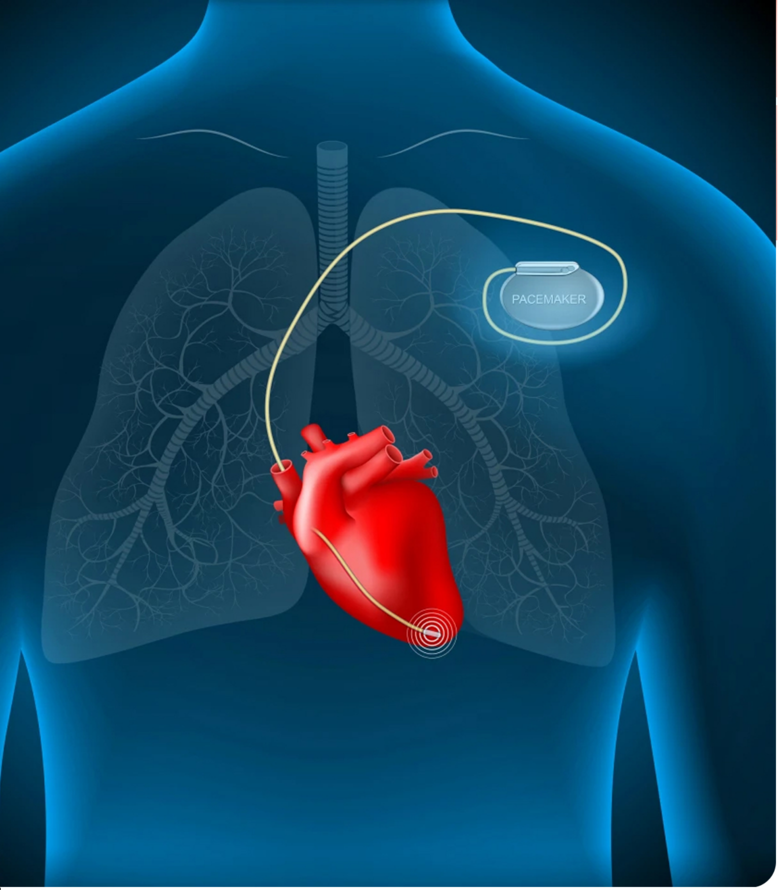

पेसमेकर

पेसमेकर क्या होता हैं?

पेसमेकर एक छोटा, बैटरी से चलने वाला डिवाइस होता है जिसका प्रयोग हृदय की इलेक्ट्रिकल गतिविधि को नियंत्रित और सक्रिय करने के लिए किया जाता है। यह धीमी या अनियमित हृदयगति को नियंत्रित करने में मदद करता है। पेसमेकर को सर्जरी द्वारा कॉलरबोन के नीचे लगाया जाता है। यह डिवाइस हृदय की अनियमित धड़कनों को मॉनिटर करता है और ज़रूरत के मुताबिक उनको सही करता है। यह व्यायाम के दौरान भी हृदय की धड़कन को समायोजित करता है।

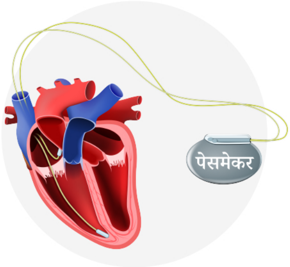

पेसमेकर के कितने प्रकार होते हैं?

पेसमेकर कई प्रकार के होते हैं जिनमें अलग अलग सुविधाएं और कार्यक्षमता होती है :

- **सिंगल-चेम्बर पेसमेकर:** इस प्रकार का पेसमेकर दिल के दाहिने एट्रियम या दाहिने वेंट्रिकल से जुड़ा होता है। यह उस कक्षा में विद्युतीय गतिविधि की निगरानी और नियंत्रण करता है।
- **ड्यूल-चेम्बर पेसमेकर:** ड्यूल-चेम्बर पेसमेकर में दो लीड्स होते हैं, एक दाहिने एट्रियम में और दूसरा दाहिने वेंट्रिकल में स्थापित किया जाता है। इससे एट्रियम और वेंट्रिकल के बीच प्राकृतिक समन्वय होता है, जिसके परिणामस्वरूप हृदय की धड़कन समकालीन होती है।
- **बाइवेंट्रिकुलर (हृदय संरेकण चिकित्सा) पेसमेकर:** बाइवेंट्रिकुलर पेसमेकर, जिन्हें सी.आर.टी पेसमेकर भी कहा जाता है, इसमें तीन लीड्स होते हैं। दो लीड्स दाहिने एट्रियम और दाहिने वेंट्रिकल में स्थापित किए जाते हैं, जबकि तीसरा लीड बाएं वेंट्रिकल में सम्मिलित की जाती है। यह पेसमेकर हार्ट फेलियर वाले रोगियों के लिए उपयोग किया जाता है और हृदय की पम्पिंग प्रणाली में सुधार करता है।

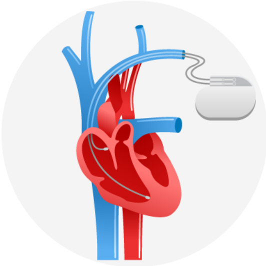

पेसमेकर की आवश्यकता किसे होती है?

- **ब्रेडीकार्डिया:** यह एक स्थिति है जिसमें हृदय की धड़कन असामान्य रूप से धीमी होती है। अगर हृदय की धड़कन किसी निश्चित स्तर से कम हो जाती है और थकान, चक्कर या बेहोशी जैसे लक्षण होते हैं, तो पेसमेकर की सलाह दी जा सकती है।
- **हार्ट ब्लॉक:** जब हृदय की धड़कन को नियंत्रित करने वाली विद्युतीय संकेतों में बाधा होती है, अवरोध की गंभीरता और प्रकार के आधार पर एक पेसमेकर आवश्यक हो सकता है ताकि नियमित हार्ट रिदम बनाए रखा जा सके।
- **सिक साइनस सिंड्रोम:** यह स्थिति साइनस नोड की कमजोरी के कारण होती है, जो हृदय द्वारा नियंत्रित विद्युतीय प्रतिक्रिया को प्रारंभ करने के लिए जिम्मेदार होता है। यदि साइनस नोड सही ढंग से कार्य नहीं कर पा रहा है,तो एक पेसमेकर की आवश्यकता हो सकती है जिससे एक स्थिर हार्ट रिदम सुनिश्चित हो सके।
- **हार्ट फेलियर:** कुछ हार्ट फेलियर मामलों में, हृदय की पंपिंग क्षमता कमजोर हो जाती है। एक बाईवेंट्रिकुलर पेसमेकर, जिसे कार्डिएक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी (सी.आर.टी) पेसमेकर भी कहा जाता है, हृदय के पंपिंग कुशलता में सुधार करने में कारगर हो सकता है।

पेसमेकर इंप्लांटेशन के समय क्या होता है?

पेसमेकर लगाने के दौरान,जिसे पेसमेकर इंप्लांटेशन भी कहा जाता है, आमतौर पर निम्नलिखित चरण होते हैं:

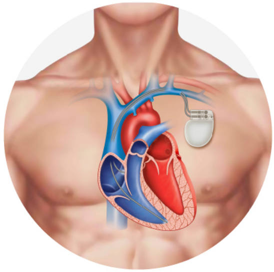

- प्रक्रिया की शुरुआत में,आपको लोकल या जनरल एनेस्थीसिया दिया जाता है। जिससे मरीज को कोई भी दर्द या असुविधा महसूस नहीं होती।
- आमतौर पर कंधे के करीब पसली के नीचे सर्जन एक छोटा छेद करते हैं जिससे हृदय की ओर जाने वाली नसों तक पहुंचना संभव होता है। कभी-कभी, कंधे के नीचे भी छेद किया जा सकता है।
- पतले और लचीले तार, जिन्हें लीड कहा जाता है, सावधानीपूर्वक नसों के माध्यम से हृदय के कक्षों की ओर भेजे जाते हैं। ये लीड विशेष स्थानों पर रखे जाते हैं ताकि पेसमेकर का सही काम करना सुनिश्चित हो सके।
- आमतौर पर कंधे की त्वचा के नीचे पेसमेकर को स्थापित किया जाता है। एक बार पेसमेकर स्थापित हो जाने के बाद, सर्जन यह जांच करते हैं की पेसमेकर सही ढंग से प्रतिक्रिया देता है फिर पेसमेकर को मरीज की आवश्यकताओं के अनुसार प्रोग्राम किया जाता है।
- इसके बाद छेद को सावधानीपूर्वक सर्जिकल धागों या सर्जिकल स्टेपल्स का उपयोग करके बंद किया जाता है।

पेसमेकर इंप्लांटेशन के बाद क्या होता है?

- पेसमेकर इंप्लांट के बाद अधिकांश लोग प्रक्रिया के दिन या उसके अगले दिन घर जा सकते है।
- मरीज़ के दिल की धड़कन और रक्तचाप पर निगरानी रखी जाती है।
- मरीज़ को अस्पताल से घर जाने के लिए किसी अटेंडेंट की आवश्यकता होती है।

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर को सूचित करें:

- चीरे वाली जगह या पैर का सुन्न हो जाना, झुनझुनी,ठंडापन या नीलापन आना
- चीरे वाली जगह में सूजन या तरल पदार्थ का रिसाव
- सीने मे दर्द महसूस होना
- बहुत पसीना आना
- दिल की धड़कन तेज़ या अनियमित होना
- सांस लेने में तकलीफ महसूस होना
- अत्यधिक चक्कर आना

SERVICES

Orthopaedics	ਹੱਡੀਆਂ ਅਤੇ ਜੋੜਾਂ ਦੇ ਰੋਗਾਂ ਦਾ ਇਲਾਜ
Cardiology	ਦਿਲ ਦੇ ਰੋਗਾਂ ਦਾ ਇਲਾਜ
Cardiac Surgery	ਕਾਰਡੀਐਕ ਸਰਜਰੀ
Nephrology	ਨੈਫਰੋਲੋਜੀ
Neurology	ਨਿਊਰੋਲੋਜੀ
Gastroenterology	ਪੇਟ ਦੀਆਂ ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਦਾ ਇਲਾਜ
Gastric Surgery	ਗ਼ੈਸਟ੍ਰਿਕ ਸਰਜਰੀ
Plastic Surgery	ਪਲਾਸਟਿਕ ਸਰਜਰੀ
Skin & Cosmetology	ਚਮੜੀ ਦੇ ਰੋਗਾਂ ਦਾ ਇਲਾਜ
General Surgery	ਜਨਰਲ ਸਰਜਰੀ
General Medicine & Diabetic Care	ਜਨਰਲ ਮੈਡੀਸਨ ਅਤੇ ਸ਼ੂਗਰ ਦੀ ਦੇਖਭਾਲ
Dental	ਦੰਦਾਂ ਦੇ ਰੋਗਾਂ ਦਾ ਇਲਾਜ
Radiology	ਰੇਡੀਓਲੋਜੀ
MRI, CT & Ultrasound Scan	ਐਮ.ਆਰ.ਆਈ, ਸੀ.ਟੀ. ਅਤੇ ਅਲਟ੍ਰਾਸਾਊਂਡ ਸਕੈਨ

FACILITIES

- 24x 7 Emergency
- Accident Trauma ICU
- Pain Management ICU
- Critical Care ICU
- Cardiac Care ICCU
- Stroke, Epilepsy ICU
- Parkinson- Alzheimer's Clinic
- Neuro & Spine Surgery
- Kidney Care & Dialysis
- Angiography, Angioplasty
- Endoscopy & Liver Care
- Arthroscopy & Rehabilitation
- Cancer Care & Surgery
- Plastic Surgery & Reimplantation
- Oncosurgery
- Physiotherapy
- Laboratory | Blood Bank

EMPANELMENTS

- ECHS
- CGHS
- CAPF
- PAP (POLICE SATKAR)
- RCF
- NHPC
- FCI
- HDFC ERGO
- Bajaj Allianz
- Ericson
- FHPL
- Go Digit
- Genins India Insurance
- Good Health
- Health India
- ICICI Prudential
- MD India
- Med Save
- Medi Assist
- Paramount
- Reliance General Insurance
- Aditya Birla Health Insurance
- Heritage Insurance
- ICICI Lombard
- Park Mediclaim
- Raksha
- Niva Bupa/Max Bupa
- Safeway TPA
- SBI General Insurance
- Star Health
- Tata AIG
- Universal Sompo
- Vidal Insurance
- Vipul Insurance

GET IN TOUCH

(M) 88470-28606
(M) 94170-07288
Joshi hospital & trauma centre
DR VARUN JOSHI
joshihospitaltrauma
drvarunortho
DR VARUN JOSHI
www.joshihospital.co.in
joshi.hospitaljal@gmail.com
joshihospital1991@gmail.com
joshi_hospital@yahoo.co.in
Kapurthala Chowk, Jalandhar

ACCIDENTAL EMERGENCY 24 HRS.